राजस्थान में राजमार्गों के निर्माण से खुल रहे समृद्धि एवं विकास के द्वार

"21वीं सदी का नया भारत, बेहतरीन और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहा है। बेहतर सड़कें, रेल नेटवर्क, एयरपोर्ट ये सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स नहीं होते, बल्कि ये पूरे क्षेत्र का कायाकल्प कर देते हैं।"

– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

₹5600 करोड़ से अधिक के निवेश से 11 राजमार्ग परियोजनाओं का निर्माण

लोकार्पण

गुलाबपुरा से चित्तौड़गढ़ 6-लेन का निर्माण
(लम्बाई-125 किमी., लागत- ₹ 2090 करोड़, एनएच-48)

मण्डरायल (सबलगढ़-करौली अनुभाग) में चंबल नदी पर हाई लेवल ब्रिज का निर्माण
(लम्बाई-03 किमी., लागत- ₹ 127 करोड़, एसएच-22)

किशनगढ़ से गुलाबपुरा 6-लेन का निर्माण
(लम्बाई- 90 किमी., लागत- ₹ 1526 करोड़, एनएच-48)

मावली-चित्तौड़गढ़ अनुभाग पर 4-लेन आरओबी का निर्माण
(लम्बाई-01 किमी., लागत- ₹ 32 करोड़, एनएच-162 ए)

शिलान्यास

निचली ओडन (नाथद्वारा) से भटेवर 2-लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण
(लम्बाई-53 किमी., लागत- ₹ 607 करोड़, एनएच-162 ई)

देवल-डूंगरपुर-सागवाड़ा 2-लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण
(लम्बाई-61 किमी., लागत- ₹ 290 करोड़, एनएच-927 ए)

सागवाड़ा बाईपास एवं गढ़ी बाईपास 2-लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण
(लम्बाई-15 किमी., लागत- ₹ 188 करोड़, एनएच-927 ए)

रास से ब्यावर 4-लेन का निर्माण
(लम्बाई-30 किमी., लागत- ₹ 357 करोड़, एनएच-158)

प्रतापगढ़ बाईपास 2-लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण
(लम्बाई-11 किमी., लागत- ₹ 195 करोड़, एनएच-113)

बाघाना से मादा की बस्ती (ब्यावर-गोमती अनुभाग) 4-लेन का निर्माण
(लम्बाई-14 किमी., लागत- ₹ 118 करोड़, एनएच-58)

सागवाड़ा-गढ़ी-वजवाना 2-लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण
(लम्बाई-37 किमी., लागत- ₹ 95 करोड़, एनएच-927 ए)

परियोजनाओं के लाभ

गुलाबपुरा-चित्तौड़गढ़ खण्ड के निर्माण से टेक्सटाईल सिटी भीलवाड़ा की देश के प्रमुख शहरों से बेहतर कनेक्टिविटी, औद्योगिक विकास में वृद्धि, ऐतिहासिक चित्तौड़गढ़ फोर्ट हेतु पर्यटन को बढ़ावा एवं प्रसिद्ध धार्मिक स्थल सांवलिया जी मंदिर पर आने वाले श्रद्धालुओं को यातायात में सुगमता।

किशनगढ़-गुलाबपुरा खण्ड के निर्माण से किशनगढ़ मार्बल मंडी की भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर आदि शहरों तक सुगम एवं त्वरित कनेक्टिविटी, नसीराबाद स्थित आर्मी छावनी तक सीधी एवं सरल पहुंच।

मण्डरायल (सबलगढ़-करौली अनुभाग) में चंबल नदी पर हाई लेवल ब्रिज के निर्माण से अन्तर्राज्यीय कनेक्टिविटी।

मावली-चित्तौड़गढ़ खण्ड पर 4-लेन आरओबी के निर्माण से रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रैफिक जाम की समस्या से छुटकारा।

निचली ओडन (नाथद्वारा) - भटेवर खण्ड के निर्माण से दरीबा जिंक खदान क्षेत्र को बेहतर कनेक्टिविटी एवं उदयपुर हवाई अड्डे से नाथद्वारा तक सीधी पहुंच।

रास - ब्यावर खण्ड के निर्माण से आस पास के क्षेत्रों में स्थित सीमेंट उद्योग को बेहतर कनेक्टिविटी।

देवल-डूंगरपुर-सागवाड़ा खण्ड के निर्माण से डूंगरपुर, उदयपुर एवं बांसवाड़ा जिलों के आदिवासी क्षेत्रों के विकास की नई संभावनाएं।

प्रतापगढ़ बाईपास, सागवाड़ा बाईपास एवं गढ़ी बाईपास के निर्माण से शहरों में यातायात का दबाव कम होगा।

बाघाना - मादा की बस्ती (ब्यावर-गोमती अनुभाग) खण्ड के अंतर्गत टोडगढ़ वाईल्ड लाईफ सैंचुरी में 13 एनिमल अंडर पासों के निर्माण से वन्य जीवों को विचरण में सुगमता एवं दुर्घटनाओं में कमी।

राजस्थान में निवेश को प्रोत्साहन एवं नये रोजगार के अवसरों का सृजन, समय एवं ईंधन की बचत तथा प्रदूषण में कमी।

नितिन गडकरी
सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार
के कर-कमलों द्वारा

एवं

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान
की अध्यक्षता में

मंगलवार, 04 जुलाई 2023 को प्रात: 11:30 बजे, स्थान: दशहरा मैदान, प्रतापगढ़, राजस्थान

गरिमामयी उपस्थिति

जनरल वी.के. सिंह (सेवानिवृत्त)
सड़क परिवहन और राजमार्ग, नागरिक विमानन राज्य मंत्री, भारत सरकार

डॉ. सी.पी. जोशी
अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा

भजनलाल जाटव
सार्वजनिक निर्माण मंत्री
राजस्थान सरकार

रमेश चन्द मीना
ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री, राजस्थान सरकार

रामलाल जाट
राजस्व मंत्री
राजस्थान सरकार

चन्द्र प्रकाश जोशी
सांसद, चित्तौड़गढ़

दिया कुमारी
सांसद, राजसमन्द

सुभाष चन्द्र बहेड़िया
सांसद, भीलवाड़ा

भागीरथ चौधरी
सांसद, अजमेर

कनकमल कटारा
सांसद, बांसवाड़ा

अर्जुनलाल मीना
सांसद, उदयपुर

डॉ. मनोज राजोरिया
सांसद, करौली-धौलपुर

cbc 37107/15/0010/2324

FOR LIVE STREAMING :
www.facebook.com/nitingadkary
https://twitter.com/nitin_gadkari
www.youtube.com/c/NitinGadkariOfficial

FASTag

- लगभग 40 करोड़ घंटे प्रतिवर्ष के अमूल्य समय की बचत
- लगभग 35 करोड़ लीटर प्रतिवर्ष ईंधन की बचत
- लगभग 10 लाख टन कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन में कमी से पर्यावरण संरक्षण

इसलिए FASTag अपनाएं... और देशहित में अपना योगदान दें...

सड़कें ही नहीं,
राष्ट्र का निर्माण भी